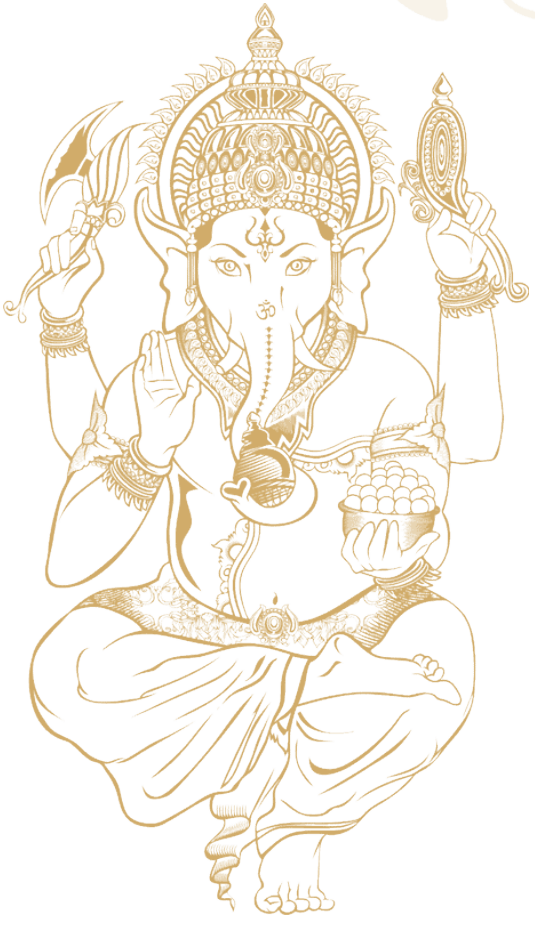

Pawan Upadhyay

Tara joshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121626102

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
31-01/02/1998	जन्म तिथि	21/01/1998
शनि-रविवार	दिन	बुधवार
घंटे 01:15:00	जन्म समय	21:00:00 घंटे
घटी 44:32:51	जन्म समय(घटी)	33:45:59 घटी
India	देश	India
Kolayat	स्थान	Bikaner
27:56:00 उत्तर	अक्षांश	28:01:00 उत्तर
73:02:00 पूर्व	रेखांश	73:22:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:37:52	स्थानिक संस्कार	-00:36:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:25:51	सूर्योदय	07:28:25
18:17:49	सूर्यास्त	18:07:25
23:49:45	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:43

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 14वर्ष 7मा 8दि	19:59:54	तुला	लग्न	सिंह	15:34:18	राहु 4वर्ष 6मा 1दि
बुध	17:54:24	मक	सूर्य	मक	07:33:33	शनि
10/09/2012	06:24:56	मीन	चंद्र	तुला	16:39:52	24/07/2018
10/09/2029	11:14:26	कुंभ	मंगल	कुंभ	03:12:53	24/07/2037
बुध 07/02/2015	03:20:48	मक	बुध	धनु	18:13:01	शनि 27/07/2021
केतु 04/02/2016	05:18:49	कुंभ	गुरु	कुंभ	02:56:57	बुध 05/04/2024
शुक्र 05/12/2018	25:09:50	धनु व	शुक्र व	धनु	29:12:41	केतु 15/05/2025
सूर्य 11/10/2019	21:35:51	मीन	शनि	मीन	20:52:47	शुक्र 14/07/2028
चन्द्र 12/03/2021	16:55:23	सिंह	राहु व	सिंह	17:30:01	सूर्य 26/06/2029
मंगल 09/03/2022	16:55:23	कुंभ	केतु व	कुंभ	17:30:01	चन्द्र 26/01/2031
राहु 25/09/2024	15:02:59	मक	हर्ष	मक	14:27:18	मंगल 06/03/2032
गुरु 01/01/2027	06:16:20	मक	नेप	मक	05:53:18	राहु 10/01/2035
शनि 10/09/2029	13:48:40	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	13:34:00	गुरु 24/07/2037

लग्न-चलित

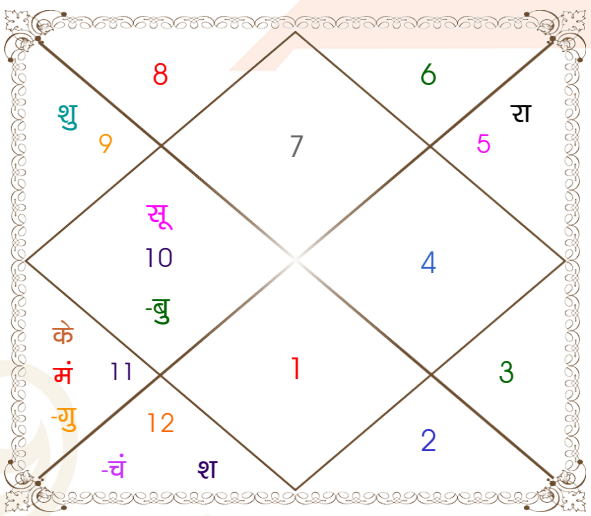

लग्न-चलित

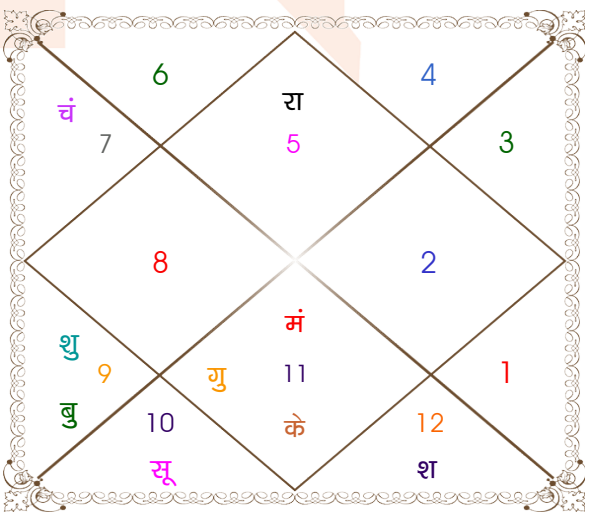

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	महिष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

ंूद न्चंकीलंल का वर्ग सर्प है तथा ज्तं रवीप का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ंूद न्चंकीलंल और ज्तं रवीप का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

ंूद न्चंकीलंल मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

ज्तं रवीप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु ज्तं रवीप कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु चूंद न्चंकीलंल कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

चूंद न्चंकीलंल तथा ज्तं रवींप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।